RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 40 अंक 6 हल्द्वानी सम्वत् 2081 सोमवार 15 जुलाई 2024 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

वर्षा ऋतु
बगती नदियां, रड़ते पहाड़

केदारनाथ में हिमस्खलन, पिंडर घाटी में मुसीबत, सरयू में मलबा गिरने से झील बनी

कार्यालय प्रतिनिधि

वर्षा ऋतु के साथ ही उत्तराखण्ड में नदियों का पूरा जाल उफान पर है और खुदान से खोखले हुए पहाड़ों पर ज्यादा भूस्खलन हो रहा है। 'बगती नदियां, रड़ते पहाड़' के इस सीजन में केदारनाथ धाम में भीषण हिमस्खलन ने डराया है। बदरीनाथ धाम में अलकनन्दा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। खतरे के निशान से ऊपर देख पुलिस ने तृप्तकुण्ड खाली करा दिया। गंगोत्री-गोमुख ट्रैक पर चौड़ावास के पास नाले पर बनी पुलिया बह चुकी है। यहाँ उफनाते नाले को पार कर रहे दो कांवड़िए बह गये।

बागेश्वर जनपद में निर्माणाधीन लहुर-मिखिल खलपट्टा मार्ग का मलबा, बोल्डर गिरने से सरयू में झील बन गई। मलबा हटाने के लिये प्रशासन ने टीम लगाई। तेज बारिश के कारण कपकोट के मन्यालीकोट और लाहुर गाँव में दो आवासीय मकान क्षतिगस्त हो गये। मलबे में दबने से एक दुधारु भैंस की मौत हो गई।

बारिश के चलते पहाड़ी से मलबा गिरने से रुद्रप्रयाग-गौरीकुण्ड हाईवे फाटा में डोलिया मन्दिर के समीप बन्द हो गया। चमोली के थराली देवाल में हुई बारिश के साथ पिण्डर घाटी के ग्रामीणों के लिये मुसीबत हुई। थराली तहसील मुख्यालय के समीप सड़क पर आए मलबे के कारण कई वाहन फंस गये। ब्लाक मुख्यालय, इण्टर कालेज और डुंगरी को जाने वाली सड़क सिपाही गदेरे में

शेष पृष्ठ 3 पर

आदि कैलास में फंसे यात्री, टनकपुर-तवाघाट लिपुलेख मार्ग अवरुद्ध, अल्मोड़ा हाईवे पर बोल्डर

मौसम की मार से आदि कैलास में यात्रियों को दिक्कत का सामना करना पड़ा है। चार दर्जन से अधिक यात्रियों सहित दारमा, व्यास, चौदास घाटी को जाने वाले ग्रामीण भारी वर्षा के कारण फंसे रहे। आदि कैलास यात्रियों को चार घण्टे बाद धारचूला लौटना पड़ा।

सामरिक दृष्टि से महत्व की टनकपुर-तवाघाट-लिपुलेख सड़क घट खोला, दोबाट, एलागाड़ पावर हाउस और रौंगती नाले के पास दिक्कत भरी हो चुकी है। पूर्णागिरी मार्ग बाटनागाड़ के पास वर्षा से खतरनाक हो रहा है। यहाँ जेसीबी से मलबा हटाकर यातायात सुचारु किया गया। टनकपुर में शारदा का जलस्तर उफान पर है। बनबसा में अलर्ट किया गया है। जौलजीवी से मुनस्यारी सड़क पर कई जगह मलबा गिरा है। बंगापानी तहसील के जारा जिबली में सड़क की हालत खराब हो चुकी है। थल से डीडीहाट मार्ग पर भी मलबा गिरने से सूचना है। जिले के कंट्रोल रूम निगरानी पर हैं।

काली नदी में समाई चट्टान, जलभराव से तराई के शहरों में मची है आफत

बरसात की आफत पहाड़ से लेकर मैदान तक कई तरह से दिखाई दे रही है। टनकपुर-तवाघाट एनएच पर धारचूला से 16 किमी दूर राजती पुल के पास भारी भूस्खलन हुआ। यहाँ बड़ी चट्टान टूटकर काली नदी में समा गई। धारचूला-गुंजी मोटर मार्ग बन्द होने से स्थानीय लोगों के साथ ही पर्यटक भी फंसे।

अल्मोड़ा में मलबा आने से हाईवे आफत में हैं। जिला मुख्यालय के राजपुरा मोहल्ले में एक बन्द पड़े पुराने मकान की छत भरभरा कर गिर गई। स्टेट हाइवे काफलीखान भनोली मलबा आने से अवरुद्ध है। अल्मोड़ा सहित सल्ट और लमगड़ा की ग्रामीण सड़कों पर भी परेशानी हो रही है।

शेष पृष्ठ 3 पर

मानसून की एंट्री ने डिजास्टर जोन में बढ़ाई चिन्ता

डॉ. हरीश चन्द्र अन्डोला

उत्तराखण्ड में लैंडस्लाइड एक बड़ी समस्या रहा है। राज्य में मानसून की एंट्री हो चुकी है. मानसून सीजन में लैंडस्लाइड अपने पीक पर होता है. मानसून की बारिश में लैंडस्लाइड रिस्क एरिया में बसाए गए लोगों को विशेष खतरा है। राज्य के सम्वेदनशील इलाकों में अन्धाधुन्ध निर्माण ने बड़ी चुनौती खड़ी की हुई है। ऐसे में पर्यावरणविद् और वैज्ञानिक प्रतिष्ठित संस्थानों की रिपोर्ट को नजरअंदाज करने के बजाय, एक्शन प्लान के आधार पर ठोस उपाय लागू करने की सलाह दे रहे हैं। भूस्खलन क्षेत्र नासूर बनकर उभरते हैं। भूस्खलन जोन नेताला सहित लालढांग, हेलगूगाड़ सहित सुक्की के सात नाले वर्ष 2013 की आपदा के बाद से परेशानी का सबब बने हुए हैं। हर वर्ष मानसून सीजन में गंगोत्री हाईवे पर उत्तरकाशी से सुक्की टॉप तक के भूस्खलन क्षेत्र नासूर बनकर उभरते हैं लेकिन उसके बावजूद भी आज तक इन भूस्खलन जोन के लिए बउर्डर रोड ऑर्गनाईजेशन और जिला प्रशासन की ओर से इनके ट्रीटमेंट के लिए कोई योजना तैयार नहीं की गई है। इस कारण यह भूस्खलन जोन इस वर्ष भी बरसात में आमजन और चारधाम यात्रियों के लिए मुसीबत बनेंगे। उत्तरकाशी जनपद मुख्यालय से सुक्की टॉप के बीच भूस्खलन ऐसे हैं, जो कि हर वर्ष मानसून सीजन में स्थानीय लोगों और तीर्थयात्रियों के लिए मुसीबत बनते हैं। इसके साथ ही अन्य भी छोटे-छोटे भूस्खलन जोन ऐसे हैं, जो कि कभी भी मुसीबत बन सकते हैं। इन खतरा सम्भावित क्षेत्रों में कई ऐसे स्थान हैं, जो कि विगत 10 से 15 वर्षों से हाग्रवे पर बड़ी मुसीबत बनकर टूटते हैं। प्रदेश में मानसून के दौरान होने वाले भूस्खलन के पीछे कई वजह है और इसको लेकर भी तमाम बातें अध्ययन के दौरान सामने आई हैं।

उत्तराखण्ड में भूस्खलन क्षेत्र के रूप में डिजास्टर जोन की गम्भीरता को इस बात से ही समझा जा सकता है कि इसरो की एक रिपोर्ट में देश भर के करीब 147 शहरों में से उत्तराखण्ड के कई शहरों को टॉप टेन में जगह दी गई थी। यही नहीं पूरे देश में रुद्रप्रयाग और टिहरी जिला पहले और दूसरे नम्बर पर दर्ज किया गया था। पर्यावरण संरक्षण से जुड़े तमाम रिकार्ड एनालिसिस करने वाले अध्ययन इन्हीं स्थितियों को जाहिर करते हैं। जिस तरह इसरो की रिपोर्ट के बाद उत्तराखण्ड में भूस्खलन को लेकर सम्वेदनशीलता सामने आई थी, उसके बाद राज्य सरकार को कई कदम उठाए जाने की जरूरत थी लेकिन सरकार की तरु से इतनी महत्वपूर्ण संस्थान की रिपोर्ट पर भी काम नहीं हो पाया। नतीजा यह रहा कि राष्ट्रीय स्तर पर उत्तराखण्ड के कई जिलों को लैंडस्लाइड जोन के रूप में दर्ज करने के बाद भी कोई हल नहीं

शेष पृष्ठ 3 पर

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

सत्संग-हादसा-बाबागर्दी

हाथरस के सिकन्दराराऊ के फुलरई मुगलढ़ी गाँव में नारायण साकार हरि बाबा के सत्संग के बाद मची भगदड़ में सौ से अधिक लोगों की मौत ने सवाल खड़े कर दिये हैं। २ जुलाई की इस घटना के आँसू अभी तक बह रहे हैं। भक्तों में पैर छूने की होड़ जो भगदड़ हुई उसमें कीचड़ में धंसे लोग उठ नहीं सके और लाशों का ढेर लग गया। लोगों को कुचलते हुए जा रही भीड़ के लिये कहा कहा जाए?????? ऐसा सत्संग, ऐसी भक्ति, ऐसी चाहत, ऐसी कामना किसके लिये जो सिर्फ भेड़िया धंसान बन चुकी हो।

इस घटना पर देश-दुनिया का ध्यान गया। सरकार ने कहा दोषी बचेगा नहीं। फिर क्या, गिरफ्तारियां होने लगीं। गिरफ्तार सेवादारों ने कबूला कि बाबा की चरणरज लेने के लिये भीड़ को बेकाबू छोड़ दिया गया जिससे हादसा हुआ। बताते हैं सत्संग के बाद एक लाख की भीड़ पंडाल से निकलकर हाईवे की ओर बढ़ी जिसके दबाव में बुजुर्ग महिलाओं को सांस लेने में तकलीफ होने लगी थी। इस दौरान भगदड़ मच गई, जो नीचे गिरा कुचला गया। सेवादार व्यवस्था बनाने के बजाए बाबा का नाम पुकारने की बात करते रहे। इस घटना में बाबा के खिलाफ तो कोई मामला दर्ज नहीं हुआ अलबत्ता बड़ी घटना में कुछ तो होना ही है। सेवादारों की पकड़ हो रही है।

सत्संग के इस हादसे से सबक गांठ बांध लेनी चाहिये कि ऐसी भीड़ बनकर क्या फायदा जहाँ हम किसी को कुचलते हुए आगे बढ़ते हैं। सन्त समाज का सत्संग, घर में अपने बढ़ों के साथ सत्संग, अपने पास-पड़ोसियों के साथ मृदुल व्यवहार, नेक कर्म, उदारता.....यही सब तो सत्संग के प्रकार हैं। फिर ऐसे सत्संगों की बाढ़ में क्यों फंसा जाए जहाँ हादसों को निमंत्रण मिलता है, जहाँ लट्ठ लिये सेवादार हांकते हैं, जहाँ देखादेखी होती है।

कथा, प्रवचन की परम्परा तो हमारे समाज में पहले से रही है और ग्रामीण अंचलों में तक सुन्दर आयोजन, भागवत कथाएं होती हैं। सब मिलजुल कर इसमें भागीदारी करते हुए श्रवण करते हैं लेकिन आधुनिक बाबागर्दी की चकाचौंध ने समाज को भीड़ के रूप में तोलना शुरू कर दिया है जो हादसे का शिकार होता है। इसलिये भीड़ नहीं बल्कि सद्-संगत ही करें।

देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

चुनाव से पहले सुनक ने मन्दिर में की पूजा

लन्दन। ब्रिटेन में आम चुनाव से पहले भारतवंशी प्रधानमंत्री ऋषि सुनक व उनकी पत्नी अक्षता मूर्ति ने स्वामीनारायण मन्दिर में पूजा-अर्चना की। सुनक ने कहा कि उनका हिन्दू धर्म उन्हें प्रेरित करता है।

नई आपराधिक संहिता लागू, पाठ पढ़ाया

नई दिल्ली। भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली में व्यापक बदलाव लाते हुए तीन नए कानून भारतीय न्याय संहिता और भारतीय नागरिक सुरक्षा साक्ष्य अधि नियम पूरे देश में लागू हो चुके हैं। इनके साथ ही देश में आधुनिक न्याय प्रणाली का समावेश हो चुका है। नई संहिता का पाठ उत्तराखण्ड पुलिस ने भी बैठक कर जनता को पढ़ाया है।

स्वयंभू बुद्ध बॉय बम्जन को दस साल कैद

काठमांण्डू। नेपाल में बुद्ध बॉय नाम से चर्चित गुरु राम बहादुर बम्जन को नाबालिक लड़कियों के यौन उत्पीड़न के मामले में दस वर्ष की कैद की सजा सुनाई गई है। सरलाही जिला न्यायालय के न्यायधीश ने बोमजन पर 5 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

पीओके की जेल से १८ खूंखार कैदी भागे

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) की रावलकोट जेल से 18 खूंखार कैदी भाग गए हैं। कैदियों ने जेल गार्ड पर हमला करने के लिये पहले उसी से धोखे से चाबी मांगी थी। भागने के दौरान पुलिस की गोली से एक कैदी की मौत भी हो गई।

ऑनलाइन धोखाधड़ी में भारतीय गिरफ्तार

कोलम्बो। श्रीलंका में ऑनलाइन धोखाधड़ी के मामले में 12 और भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार कर लिया है। मध्य श्रीलंका के कैंडी में तलाश अभियान के दौरान अपराध जाँच इकाई ने 22 डेस्कटॉप कम्प्यूटर, चार लैपटाप, उन्नत तकनीक के 50 से अधिक परिष्कृत सेल्युलर फोन, 11 एटीएम कार्ड और कई अन्य उपकरण भी जब्त किए। अब तक 62 भारतीय पकड़े गये हैं।

हाथरस काण्ड, सब हैरान-परेशान, जाँच

हाथरस। धर्मगुरु नारायण सरकार विश्वहरि भोले बाबा सत्संग के बाद हुई भगदड़ में जिस प्रकार 121 लोगों की मौत हो गई उससे पूरा देश हैरान-परेशान है कि आँखिर यह सब क्या हो गया। पुलिस ने हादसे के सम्बन्ध में गैरइरादतन हत्या समेत विभिन्न धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की, जाँच जारी है।

फसक

दाज्यू, समय और समझ बहुत आगे हो गया ठैरी

बरसात, रोपाई और स्कूल सब जुलाई के हत्थे हैं बल

दाज्यू, नई अपराधिक संहिता लागू होते ही हमारा मनकू खुश है। कह रहा था- 'अंग्रेजों के बनाए कानून बन्द हो चुके हैं। अब घर बैठे एफआईआर होगी।' दाज्यू, मनकू को कैसे समझाएं कि जमाना किसी का भी हो अपराधियों की मण्डी सजी रहती है। अब समय और समझ बहुत आगे हो गया गई ठैरी। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह कह रहे हैं- 'कानूनों की आत्मा, शरीर और भावना सब भारतीय है। नए कानून भारतीय प्रकृति के अनुरूप राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक न्याय सुनिश्चित करेंगे। दाज्यू, सजा पाने वाले को क्या फर्क पड़ता है, उसे तो सजा मिलनी ही है। एडवोकेट धारा सिंह कह रहे हैं- 'नई किताब पढ़नी होगी। पुरानी धाराएं मुंह में छूटते ही निकलती थी, अब नया जोड़-जन्तर हो चुका है।'

दाज्यू, पढ़ाई-लिखाई होती रहनी चाहिये। इससे गजबजाट नहीं होता है। इस महीने स्कूल भी खुल चुके हैं। बरसात, रोपाई और स्कूल सब जुलाई के हत्थे हैं बल। अगस्त में तो स्वतंत्रता दिवस मनाने की तैयारी होगी। दाज्यू, डिग्री कालेज वाले बच्चे बौई गये हैं, रिजल्ट खराब आया है बल। ज्ञापन देकर नम्बर की बात ही है। दाज्यू, कापी जाँचने का काम आप जानने ही वाले ठैरे, बहुत फास्ट होता है। भूप्पी बता रहा था- 'जैसे रोपाई के खेत में जाने वाले पूरा निपटा कर आते हैं। वैसे ही मूल्यांकन करने वाले कापी का बण्डल निपटा देते हैं।' डड़ाडाड़ कौन पूछ रहा है। अपना-अपना भाग्य सब लिखा लाए हैं। मैनेजमेंट कालेज चला रहे गोपाल ने बरसात में डांस प्रतियोगिता का अयोजन कर दिया। दाज्यू, बहुत तरह के कारोबार होने लगे हैं, फूं फां करते रहो, गले में टाई लटकी हो, बूटपालिस फिट हो.....और क्या चाहिये। लटक-झटक बिजली सी चमकती रहती है बल।

दाज्यू, खर्चे की मद पूछो मत। जितना रुपया फूंक डालो कुछ नहीं होता। शायद साहब लोग तभी हाथ-पांव मारते होंगे। विजिलेंस की टीम ने ठेकेदार की शिकायत पर रुद्रपुर में जिला आबकारी अधिकारी को 70 हजार की रिश्वत लेते पकड़ लिया गया। नैनीताल जिले के बरहैनी रेंज में लकड़ी तस्करी कर रहे गुर्जर ने वन दरोगा पर तमंचा दिखाते हुए पीट दिया। जिसकी जैसे चल रही है चला रहा है, यह तो अत्याचार ही हुआ।

बलात्कार की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं, और बचा ही क्या है। चम्पावत जिले के अमोड़ी की नाबालिक बालिका के साथ चलते ट्रक में सामूहिक दुष्कर्म कर दिया। ट्रक का पीछा कर रहे ग्रामीणों ने दो को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। तीसरे को पुलिस ने गिरफ्तार किया। अल्मोड़ा के ताड़ीखेत ब्लाक में भी खेत में काम कर रही नाबालिक के साथ दुष्कर्म करने वाले को जेल भेज दिया है। पता नहीं दुनिया वाले कितना आगे बढ़ना चाहते हैं। रामनगर निवासी एक युवती को इंस्टाग्राम पर दोस्ती कर भगा कर ले जाने वाला पुलिस ने पकड़ लिया है। दाज्यू, हल्द्वानी में तो और ही हो रही है कहा, बनभूपुरा से गायब बालिकाओं की पकड़ तो हो गई। अब काठगोदाम से एक किशोरी के लापता होने की बात कही जा रही है। आषाढ़ का महीना पता नहीं कितना बरसेगा। निकाय चुनाव की तैयारियां भी तो होनी हैं।

-तुम्हारा भुली झकरुवा

मानसून की एंट्री.....

प्रथम पृष्ठ का शेष

निकल गया। मानसून सीजन शुरू होने के साथ ही पर्यावरणविद् नए खतरों को लेकर चिन्ता जाहिर कर रहे हैं। इसीलिए तमाम पर्यावरणविद् और वैज्ञानिक एक मंच पर आकर इसके समाधान को लेकर सरकार से भी गुहार लगा रहे हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि अब तक जो अध्ययन हुए हैं, उसके आधार पर सरकार को कदम उठाने चाहिए और तमाम प्रतिष्ठित संस्थानों की रिपोर्ट को नजरअंदाज करने के बजाय, एक्शन प्लान के आधार पर ठोस उपाय लागू करने चाहिए। चारधाम की यात्रा पर आने वाले तीर्थ यात्रियों के लिये नासूर बना हुआ है। सिरोबगड़ डेंजर जोन की पहाड़ी से बिना बरसात के ही बोल्डर गिरते रहते हैं, जबकि बारिश होने पर यहाँ घण्टों तक आवाजाही बन्द हो जाती है। जिससे चारधाम यात्रियों और चमोली व रुद्रप्रयाग की जनता को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में कलियासौड़ बाईपास का निर्माण कार्य किया जा रहा था, लेकिन बीते पाँच से छह वर्षों में निर्माण कार्य पूर्ण नहीं हो पाया है, जबकि इन दिनों बाईपास का निर्माण कार्य बन्द पड़ा हुआ है। सिरोबगड़ की समस्या से निजात दिलाने के लिये ऑल वेदर सड़क परियोजना के तहत पपडासू बाईपास का निर्माण कार्य किया जा रहा है। इस बाईपास पर अलकनन्दा नदी पर तीन मोटरपुल बनने हैं लेकिन अभी तक एक भी पुल नहीं बन पाया है। इस बाईपास पर पुल बनने के बाद आवाजाही कलियासौड़ से सीधे बदरीनाथ हाईवे पर खांखरा से आगे नौगाँव में होनी है. वर्ष 2017-18 से अलकनन्दा नदी के ऊपर पहले मोटरपुल का निर्माण कार्य चल रहा है. कार्यदायी संस्था ने पुल का ढांचा तो खड़ा कर दिया है, लेकिन इससे आगे की कार्रवाई बन्द है। पाँच से छह वर्षों में जब एक पुल का निर्माण कार्य नहीं हो पाया है, तो तीन पुल बनने में कई और वर्ष लग सकते हैं। ऐसे में फिलहाल चारधाम यात्रियों और रुद्रप्रयाग समेत चमोली के लोगों को सिरोबगड़ की समस्या से निजात नहीं मिलने वाली है। कार्यदायी संस्था इन दिनों कार्य बन्द करके चली गई है। मानसून सीजन भी जारी है। ऐसे में इस बार भी सिरोबगड़ डेंजर जोन परेशानी का सबब बनेगा। पूर्व जिला पंचायत सदस्य ने कहा कि सिरोबगड़ डेंजर जोन विगत कई सालों से नासूर बना हुआ है। बरसात के समय सिरोबगड़ की पहाड़ी से लगातार भूस्खलन होता रहता है, जिससे चारधाम तीर्थयात्री और चमोली समेत रुद्रप्रयाग की जनता परेशान रहती है। उन्होंने कहा कि सिरोबगड़ डेंजर जोन के विकल्प के रूप में कलियासौड़ बाईपास का निर्माण कार्य कर रही कार्यदायी संस्था का कुछ अता-पता नहीं है। छह सालों में एक भी पुल बनकर तैयार नहीं हो पाया है। सबसे ज्यादा दिक्कतें चार ाम यात्रा के दौरान तीर्थयात्रियों को झेलनी पड़ती है। कई बार तो लैंडस्लाइड के कारण कई-कई घण्टे रास्ता नहीं खुलता है। इसी बार भी चारधाम यात्रा के तीर्थयात्रियों को इस तरह की परेशानी का सामना करना पड़ा क्योंकि अभीतक चिन्हित क्रोनिक लैंडस्लाइड जोन का ट्रीटमेंट नहीं हो पाया है, जो मानसून सीजन में बड़ी आफत होते हैं। उत्तराखण्ड में आने वाली आपदाओं को रोकने के लिए केवल टेक्नोलॉजी से काम नहीं चल सकता। उत्तराखण्ड में 200 लैंडस्लाइड एक्टिव हैं ऐसे में सरकार को ये करना चाहिए कि साल में 10 या 12 को नहीं बल्कि 50-60 का टारगेट रखना चाहिए है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पर्व पर विशेष

हरेला पर्व के महानायक डॉ.हरीश रौतेला

डॉ. हरीश चन्द्र अन्डोला

उत्तराखण्ड में हरेला पर्व को सिर्फ वृक्षारोपण तक सीमित ना रखते हुए जवाबदेही को भी इसमें जोड़ा जा रहा है। इसके लिए पहली बार हरेला पर्व पर लगने वाले पौधों की जियो टैगिंग की जा रही है। यही नहीं पंचायतों को भी अधिकार देकर इन्हें वनों से जोड़ने की कोशिश की गई है। बीते दिनों वनाग्नि से निपटने में वन महकमे के पसीने छूट गए थे, जबकि स्थानीय लोगों द्वारा इसमें कोई रुचि नहीं लेने की बात सामने आ रही थी। ऐसे में अब वन विभाग नए कदम उठाकर वनों के संरक्षण और सम्वर्द्धन की दिशा में निर्णय ले रहा है।

उत्तराखण्ड में इस हरेला पर्व पर वृक्षारोपण के लिए 50 लाख पौधों को लगाए जाने का लक्ष्य तय किया गया है, इसमें वन विभाग के अलावा बाकी तमाम महकमे भी शामिल होंगे। सभी विभागों को हरेला पर जिम्मेदारी दी दी गयी है। दरअसल, इस बार जंगलों से आम लोगों के टूटते रिश्ते को जोड़ने की कोशिश की जा रही है। इसमें जंगलों को बढ़ाने के लिए पारदर्शी व्यवस्था बनाई जा रही है। वहीं स्थानीय लोगों का भी इसमें परस्पर सहयोग बढ़ाने के प्रयास हो रहे हैं। हरेला पर्व पर राज्य में करीब 50 लाख पौधों को लगाया जाएगा और हर साल लाखों पौधे राज्य में इस दौरान लगाए जाते हैं, लेकिन इन पौधों का भविष्य में क्या होता है, इसके लिए कोई मॉनिटरिंग सिस्टम नहीं तैयार किया गया। ऐसे में अब हरेला पर्व पर जियो टैगिंग की नई व्यवस्था शुरू की जा रही है। जिसमें प्रत्येक पौधे को रोपने के साथ ही इसकी जिओ टैगिंग की जाएगी और इसके साथ ही वृक्षारोपण में लगने वाले पौधे जीपीएस सिस्टम से जोड़ दिए जाएंगे। इसके तहत समय-समय पर इस पौधे की फोटो भी उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे इसकी ग्रोथ का भी पता चल पाएगा। यानी वृक्षारोपण में यह पूरी व्यवस्था पारदर्शी बन जाएगी और रोपित होने वाले हर पौधे का हिसाब विभाग के पास होगा। वृक्षारोपण में नए कदम उठाने के साथ ही आम लोगों और वन पंचायत को भी जंगलों से जोड़ने के प्रयास हो रहे हैं। इसलिए वन पंचायत को विशेष अधिकार भी दिए गए हैं। इसके तहत प्रदेश की 11217 वन पंचायत अधिकार सम्पन्न हुई है। वन पंचायत को अब अवैध पातन समेत दूसरे अपराधों के मामले में मुकदमा दर्ज करने का अधिकार दिया गया है। इतना ही नहीं ऐसे मामलों में सरपंच को अपराध के आधार पर जुर्माना लगाने का भी अधिकार मिला है। वहीं सरपंचों को फोरेस्ट ट्रेनिंग अकादमी के माध्यम से प्रशिक्षण दिलाए जाने की भी व्यवस्था की जा रही है। यह सब व्यवस्था वन पंचायत नियमावली में संशोधन के बाद हुई है। राज्य सरकार द्वारा इस तरह के कदम वनों को लेकर नए बदलाव के संकेत दे रहा है और जंगलों की सुरक्षा और संवर्धन में यह कदम हम भी साबित हो सकते हैं। डॉ. हरीश रौतेला का मानना है कि वर्तमान युग पढ़ने का ही नहह्न बल्कि शोध का भी युग है। वह कहते हैं कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ व्यक्ति निर्माण का कार्य करता है। व्यक्ति का निर्माण हो गया तो राष्ट्र का निर्माण हो जाएगा। हरीश रौतेला पर्यावरण सुरक्षा और प्रदूषण मुक्त भारत के स्वप्न को साकार करने में जुटे हैं। उनकी शख्सियत चकाचौंध से दूर रहकर अपने कार्य में जुटे रहने वालों की है। उत्तराखण्ड के लोकपर्व हरेला को वैश्विक बनाने में भी डा. हरीश रौतेला का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्हें इस लोकपर्व से बेहद लगाव है और वह चाहते हैं कि हरेला से हर व्यक्ति सीख ले और पर्यावरण का संरक्षण करे। डा. रौतेला हरेला पर वृक्षारोपण करते हैं और लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करते हैं। कई साल पहले उन्होंने हरेला पर्व के सप्ताह में 25 लाख पेड़ लगाए और लोगों को भी इसके लिए प्रेरणा दी। वह नई पीढ़ी को भी हरेला से जोड़ने के प्रयास में जुटे रहते हैं। उनके प्रयासों की बदौलत ही 2020 में भी लगभग 50 से ज्यादा देशों में हरेला पर्व मनाया गया। डा. रौतेला उत्तराखण्ड के प्रवासियों में शिक्षा की अलख भी जगा रहे हैं। वह हर जगह प्रवासी उत्तराखण्डियों को सुपर-10 विद्यार्थी तैयार करने की सलाह देते हैं। उनका कहना है कि शिक्षा से परिवार, समाज और देश बदलता है। युवाओं को शिक्षित करने से उनका आने वाला कल समृद्ध होगा। इसलिए लोग चाहें कुमाऊँ के हो या गढ़वाल के, कुछ ऐसे युवाओं को तैयार करने की जरूरत है जो आगे प्रान्त ही नहीं देश का नाम रोशन कर सकें। डा. हरीश रौतेला कहते हैं कि ऐसे युवा तैयार करो जो आगे चलकर उत्तराखण्ड की पहचान को प्रसारित करेंगे। ये ही युवा आगे चलकर स्वामी विवेकानन्द, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ जैसे योग्य व्यक्ति बन सकते हैं। वह कहते हैं कि अच्छी शिक्षा से ही रोजगार का सृजन होता है। आपकी अच्छी शिक्षा होगी तो आप अच्छे स्टार्टअप शुरू कर सकेंगे। उनका मानना है कि साल 2050 तक भारत को सर्वाधिक स्टार्टअप देने वाला देश बनाना है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम सहित अन्य संस्थाओं का उल्लेख करते हुए पर्यावरण संवर्धन को बहुत ही महत्वपूर्ण विषय बताया और जिस प्रकार मनुष्य का तापमान सिर्फ 2 डिग्री बढ़ जाये तो वह अस्वस्थ हो जाता है इसी तरह नरन्तर प्राकृतिक संसाधनों के अन्धाधुन्द दोहन से पृथ्वी का तापमान बढ़ रहा है जिससे विश्व में कई जटिल समस्याएं उत्पन्न हो रही है, जैसे कि आकस्मिक समुद्र का जलस्तर बढ़ जाना, हिमखण्डों का पिघलना, जलस्रोतों का सूख जाना इत्यादि। इसी तरह निरन्तर कार्बन उत्सर्जन और अन्य प्रदूषण के कारण विश्व में 235 करोड़ से भी अधिक लोग अस्थमा जैसी जटिल बीमारी के शिकार हो गए हैं। उन्होंने भारत को पृथ्वी (पिण्ड) की आत्मा बताया और आज पर्यावरण जैसी जटिल समस्याओं के समाधान के लिए पूरा विश्व हमारी तरफ देख रहा है इसीलिए हरेला जैसा महान पर्व जो कि अध्यात्म एवं प्रकृति के बीच का गहन चिन्तन है उसको विश्व पटल पर ले जाना प्रासांगिक हो गया है।

कुमाउंनी व्यंग्य

काक् कि गयीं मजै

दीवान सिंह कठायत

नानछना बटी हिम्मतू अफण काकाकै दिगाड़ रूनेर भय। वीक बौज्यू दिल्ली पन नौकरी करि बेर घर हीं खर्च पाणि भेजनेर भाय् और काक् खेती पाति करि बेर, घरक् ख्याल जमीन जैजात समावनेर भय। गौं कै नजिक् इस्कूल है ऊलि दस तलक् पढ़ौ फिर पढ़ाई है वीक मन उचटि ग्यो और दिप्पु डराबराक् दिगाड़ जीपन में ऊंण-जाण् करण लागि ग्यो। टैम -बिटैम दिप्पु वालि ऊकै गाड़ि चलूंण सिखा बेर, डराबर बणा द्यो।

एक दिन दिल्ली में एक्सीडेंट हुणै ऊलि, वीक बौज्यू खतम हूणैकि मनहूस खबर आ। कि करींछ्यू भाग्यि में तसो हुन्योल्। एक्सीडेंट में मरणाक् ऊलि वाँ वटि दस बार लाख रूपै वीक इज कै मिलान तो हिम्मतुआलि अकुलह नयी जीप खरीद ल्ये। आब् जो लै आमद हुनेर भयि उकै मस्त देखीन बैगे। उ दिगड़ डराबरनक् दिगाड़ थ्वाड़- थ्वाड़ बीयर ल्हिण बैठो, आस्ते-आस्ते बोतलन तक पुज ग्यो। वीक काक्, इज, काखि सबनिल् समझा अरे तौ आदत भलि नै हा, पीनेर मैस उजड़ि जाँ। इज्ज़त खतम हैजै। पर उ कौं? कैकि नै सुणनेर भय। अगर क्वे प्रेत स्यरघाट लि जाणक् मौक पड़िग्योत्, भौतै खुशि है जानेर भय। अक्सर वीक काक् उ दिन दिगाड़ जानेर भाय् ताकि उ ठीक ठाक रवौ। पर उ महाचालाक् भ्यो काक् कै अघिलै अलबला घर हीं लगा बेर, लगा लिनेर भय्। परताप किड्डू मरणाक् दिन लै वील उसै करि, दिगड्डू नक् दिगाड़ पीण बैग्यो और कूंण लागि ग्यो, 'काक् कि गईं मजै आ गयीं।' पी बेर गाड़ि चलूंणाक् ऊलि जीप में बैठिं मनखनक् पराण स्वेरी रूनेर भय और हिर लोगबाग नलि ऊथै कूंणै छाड़ि द्यो।

ऊकै देखि बेर वीक् काक् लै भौत दुखी है ग्या और रैरै आते-आते उं लै जल्दी जनै रान्। आब् सब जिमेवारि वीक् ख्वार में आछित् पै जै वीक् आँख् खुलण बैठि। उ परेशान हुंण बैठौ। आब् ऊलि दारूहारू सब छोड़ि हालि। एक दिन वीक् दिगड्डू रम्मू शराबि वीथै पिलौ कै जिद करण बैगो तो हिम्मतुआलि गुस्स में झटका बेर दूर करि द्यो। उलि जोरैलि 'काक् कि गयीं मजै ल्हिनै गयीं - काक् कि गयीं मजै ल्हिनै गयीं- काक् कि गयीं मजै ल्हिनै गयीं' कैते- कैते, काट्यूं में चूख जस हालि भेर, अफण घरक् रस्त नापि ल्यो।

ज्योतिष की बातें- 186

16 जुलाई 2024 को सूर्य मित्रराशि कर्क में प्रवेश करेगा । वहाँ पर किसी भी ग्रह की दृष्टि नहह्न होगी अत: सूर्य बलवान रहेगा। अगले एक माह सूर्य अपने कारक विषयों स्वास्थ्य, सफलता आदि में वृषभ, कुम्भ, तुला व कन्या राशि के जातकों को अत्यन्त शुभ्फल प्रदान करेगा। मेष, धनु व लसह राशि के जातकों को अशुभ तथा शेष राशि के जातकों को सामान्य फल प्रदान करता करेगा।

19 जुलाई 2024 को बुध मित्रराशि सिंह में प्रवेश करेगा। वहाँ पर शनि की सप्तम दृष्टि भी पड़ेगी। अत: बुध अपने कारक विषयों बौद्धिक क्षमता, व्यापार आदि में अगले 34 दिन कर्क, वृषभ, मीन, मकर, वृश्चिक व तुला राशि के जातकों को शुभ फल प्रदान करेगा । शेष राशियों को भी सामान्य फल प्राप्त होते रहेंगे।

देवशयनी एकादशी- आषाढ़ शुक्ल एकादशी उदयव्यापिनी तिथि में बुधवार 17 जुलाई 2024 को देवशयनी एकादशी का पर्व मनाया जाएगा। इसके बाद चार माह तक देवशयन के कारण विवाह आदि शुभ कार्य स्थगित रहेंगे।

गुरु पूर्णिमा- आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा उदयव्यापिनी त्रिमुहूर्ता तिथि में गुरु पूर्णिमा का पर्व मनाया जाता है। तदनुसार रविवार 21 जुलाई 2024 को भगवान विष्णु के अंशावतार कृष्ण द्वैपायन भगवान वेदव्यास की जयन्ती मनाई जाएगी। इस दिन भगवान व्यास का पूजन कर उनके द्वारा लिखित ब्रह्मसूत्र आदि किसी ग्रन्थ का पारायण करना चाहिए।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

सम्यक् विचार- 77

भीड़ एक आपदा

आजकल ऐसा देखा जा रहा है कि प्राय: सभी जगह विशेष कर मन्दिरों में और सत्संग में भीड़ बहुत अधिक हो रही है। 5 लाख 10 लाख तक की भीड़ एकत्र हो जाती है। जरा सी चूक होने पर भगदड़ मच जाने से सैकड़ो लोगों की जान पर बन आती है। भीड़ में लोग जिन्दा या मुर्दा शरीरों को कुचलते हुए आगे बढ़ते जाते हैं। वहाँ इंसानियत दिखाई नहीं पड़ती है। बाद में मृतकों की गिनती की जाती है। अब भीड़ में भगदड़ मचने की घटनाएँ आम हो गई हैं। कोई बड़ी दुर्घटना हो जाने के बाद जाँच होती है। अनुमति क्यों दी गई, किसने अनुमति दी, किसका कार्यक्रम था, किस पार्टी से समर्थित था, भीड़ बढ़ाने वाले किस पार्टी के थे, वहाँ का डीएम कौन है, स्थानीय विधायक कौन है, सांसद कौन है, विरोधी पक्ष के लोगों का हाथ तो नहीं, कोई साजिश तो नहीं, कोई आतंकवादी कनेक्शन तो नहीं? आदि आदि पचासों बातों की जाँच होगी। कार्यक्रम आयोजकों को, पुलिस प्रशासन को, स्थानीय नेताओं को, राजनीतिक दलों को, सभी को दोषी ठहराया जाता है। लेकिन वास्तव में जो प्रत्यक्ष दोषी होता है उसको कोई दोषी नहीं कहता।

सच बात तो यह है कि लोग इतनी भीड़ करते ही क्यों हैं? एक आम आदमी को भीड़ से सदैव बचकर रहना चाहिए न कि भीड़ का अनुगमन करना चाहिए। जब भक्तों की ऐसी भावना है कि 'मन्दिर में भगवान के सामने अथवा भगवान रूपी प्रवचनकारों के सामने मृत्यु होने से मोक्ष मिलता है' तो ऐसी स्थिति में कोई कुछ नहीं कर सकता। ऐसी स्थिति में सुरक्षा के विशेष उपाय करने और किसी को दोषी ठहराने का कोई औचित्य नहीं है। मेरी बात यदि गलत लगी हो तो क्षमा करें।

-सरल

काली नदी में...

प्रथम पृष्ठ का शेष

चौखुटिया के चांदीखेत में कालगाड़ नाला उफान पर आने से भारी मलबा मुख्य बाजार की ओर आ गया। इससे भारी दहशह है।

तराई में जलभराव से जनजीवन अस्त-व्यस्त है। गदरपुर में जल भराव के साथ ही पेड़ उखड़ गये। सितारगंज के अरविन्द नगर के झाड़ी नम्बर सात, आठ और बरुआबाग में पानी भरा हुआ है। बाजपुर के ग्राम हरिपुरा जबरान में गड़प्पू नदी ने ग्रामीणों के आवागमन को बना कच्चा रास्ता काट दिया। काशीपुर में निचले क्षेत्रों में जलभराव है। नगर निगम के पटेल नगर, निगम रोड, रतन सिनेमा रोड, कुंडेश्वरी, हिम्मतपुर समेत कई जगह जलभराव है। खटीमा के पकड़िया में माँ की गोद से गिरकर बच्चा गड्ढे में जाकर डूब गया।

केदारनाथ में.....

प्रथम पृष्ठ का शेष

मलबा आने से बन्द हुई। नन्दकेसरी में मलबा आने से रास्ता बन्द हो गया। बाद में मलबा हटवाकर वाहनों को निकाला गया। बरसात के कारण हरिद्वार में जलभराव से दिक्कतों का सामना करना पड़ा है। बदरीनाथ जाने यात्रा वाहनों को पीपलकोटी, पाखी, तांगनी में रोका गया है। यमुनोत्री मार्ग डाबरकोट के पास मलबा आने से दिक्कत भरा है। श्रीनगर में अलकनन्दा का जल स्तर बढ़ने से घाटों तक पानी बढ़ चुका है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पुरानी की जगह नई हल्द्वानी बनाने की तैयारी तेज

कालाढूंगी रोड स्थित जीजीआई में बनेगी वाहनों का अत्याधुनिक पार्किंग, बिल्डिंग टूटकर नव निर्माण होगा

हल्द्वानी। भाबर क्षेत्र हल्द्वानी की जगह नई हल्द्वानी बनाने की तैयारी तेज हो चुकी है। इस नये बनने में जबर्दस्त तोड़ फोड़ करते हुए नवनिर्माण होना है। असल में जनसंख्या के बेहद दबाव के बाद हल्द्वानी की में कई अक्ल और शक्ल भीड़ रूप में दिख रही है। पिघलता हिमालय ने अपने पिछले अंक में भी हल्द्वानी में होने वाले बदलाव को लेकर जानकारी प्रकाशित की थी। (हल्द्वानी के सन्दर्भ में आनन्द बल्लभ की पुस्तक 'हल्द्वानी : स्मृतियों के झरोखे से' तमाम जानकारियों से भरी है।)

हल्द्वानी की सड़कों के चौड़ीकरण, पार्किंग के अलावा नये भवनों के बाद जो स्वरूप दिखाई देगा वह पूरी तरह बदला होगा। अब बताया जा रहा है कि जिला प्रशासन कालाढूंगी मार्ग स्थित जीजीआईसी, प्राइमरी स्कूल और जूनियर हाईस्कूल को तोड़कर यहाँ पर 400 वाहनों की अत्याधुनिक (मशीनीकृत) पार्किंग बनाएगा। इसके साथ विद्यालय की भूमि पर ही पब्लिक स्कूल की तर्ज पर मॉडर्न स्कूल का निर्माण भी किया जायेगा। इस प्रोजेक्ट पर 55 करोड़ रुपये की राशि खर्च होनी है।

कालाढूंगी रोड पर जेल तिराहा पर राजकीय बालिका इण्टर कालेज के अलावा प्राइमरी स्कूल, जूनियर हाईस्कूल संचालित होते हैं। ये तीनों विद्यालयों में काफी जमीन खाली पड़ी है। स्कूल भवन को नये सिरे से व्यवस्थित करने व पार्किंग सुविधा को देखते हुए जिलाधिकारी वन्दना सिंह ने लोनिवि को प्रस्ताव बनाने के निर्देश दिये थे। जिसकी डीपीआर तैयार की जा रही है। पार्किंग के अलावा स्कूल भवन, प्रयोगशाला, पुस्तकालय, कम्प्यूटर रूम, आर्ट रूम, प्रशासनिक भवन, मिड डे मील किचन, कैंटीन, इंडोर गेम्स रूम इत्यादि तैयार होने हैं।

प्रतिकर भुगतान के लिये डीएम से मिले

हल्द्वानी। जमरानी बांध परियोजना के प्रभावितों के लिए प्रतिकर भुगतान की कार्रवाई शीघ्र शुरू करने की मांग को लेकर जमारानी बांध संघर्ष एवं पुनर्वास समिति और प्रभावित ग्राम सभाओं के प्रधानों डीएम से भेंट की। कहा कि परियोजना के अधिग्रहण की कार्यवाही के लिए धारा 19 लागू कर दी गई है लेकिन अभी तक प्रतिकर भुगतान में कार्यवाही लम्बित है।

श्रावणी मेला और नो स्मोकिंग जोन

अल्मोड़ा। श्रावणी मेले के दौरान जागेश्वर धाम में नो स्मोकिंग जोन बनेगा। मेले में प्लास्टिक का प्रयोग भी पूर्णतया प्रतिबन्ध होगा। सीडीओ ने जागेश्वर धाम में आयोजित बैठक में स्थानीय व्यापारियों और पुरोहितों के साथ मेले को लेकर बातचीत की। कहा कि जागेश्वर धाम को ईको फ्रेंडली बनाने की पहल शुरू हो चुकी है।

दुष्कर्म के पीछे पहनावा : चीमा

काशीपुर। पूर्व विधायक हरभजन सिंह चीमा ने प्रेस को जारी बयान में कहा है कि दुष्कर्म की बढ़ रही घटनाओं के पीछे महिलाओं के पहनावा जिम्मेदार है। महिलाओं को पश्चिमी सभ्यता पहनावा छोड़ हमारे देश की संस्कृति व सभ्यता के अनुसार वस्त्र धारण करना चाहिये। चीमा ने इसके लिए अभिभावकों को भी जिम्मेदार बताया जो अपने घर में समझाते नहीं हैं।

बन्द पड़े ८ आईटीआई शुरू किए जाएंगे

प्रदेश में बन्द हो चुके आठ राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों को शुरू किया जायेगा। इनमें सत्र सितम्बर 2024 से प्रवेश आरम्भ होने हैं। प्रत्येक आईटी आई में एक ट्रेड का संचालन किया जायेगा।

परिसर के कालेज आएंगे शिक्षक

एसएसजे विवि अल्मोड़ा के परिसरों में 121 अतिथि प्राध्यापकों की नियुक्ति के बाद वहाँ तैनात शिक्षकों को उन कालेजों में भेजा जा रहा है जहाँ शिक्षकों की कमी है।

बरसात में सनते शहर को बचाने निकले अधिकारी-कर्मचारी, गुस्सा और निगरानी

आयुक्त और डीएम लगातार कर रहे हैं बैठक और ले रहे हैं अपडेट

हल्द्वानी। बरसात में सनते शहर को बचाने के लिये इस2 बार अधिकारी और कर्मचारी ज्यादा सक्रिय दिखाई दे रहे हैं। नाले-नालियों पर हुए अतिक्रमण और जल भराव वाले क्षेत्रों में इनके द्वारा निगरानी की जा रही है और गुस्सा भी झलक रहा है। पानी निकासी के लिये कई जगह अतिक्रमण हाथोंहाथ हटाया गया। दरअसल बरसात में हर बार हो रही दिक्कतों और जनता के हल्ले के अलावा सोशल मीडिया का जोर तथा किसी भी बहाने सतर्क रहने वाले नेताओं के कारण यह सब हो रहा है। वर्ना तो जलमग्न होते इलाकों, सड़कों पर इतनी त्वरित कार्यवाही नहीं होती।

सांसद अजय भट्ट ने नैनीताल और उधमसिंह नगर जनपद के डीएम से कहा कि इन दिनों में वह पूरी टीम के साथ अलर्ट रहें। जिलाधिकारियों ने भी मौके पर जाकर जायजा लिया है। डीएम नैनीताल वन्दना सिंह एकदम चारों ओर निगरानी रखे हुए हैं। उन्होंने सम्बन्धित विभागों को किसी भी तरह की लापरवाही न करने को कहा है। हल्द्वानी में सिटी मजिस्ट्रेट व उपजिलाधिकारी ने स्वयं मौके पर जाकर हालातों को देखा और व्यवस्था बनाई। जल भराव निकासी के लिये इनके द्वारा निरीक्षण किया जा रहा है।

हल्द्वानी शहर में कई जगह जलभराव से लोगों को परेशान होना पड़ा है। जलभराव की समस्या को देख प्रशासन ने एक्शन लेते हुए नालियों के ऊपर हुए अतिक्रमण हटाए। नगर निगम की टीम ने जेसीबी से नाले के ऊपर रखे पटालों को हटाकर पानी निकासी का रास्ता बनाया। तीनपानी, गौजाजाली में पानी के साथ कूड़ा-करकट जमा हो गया। काश्तकारों ने पानी निकासी व सफाई के लिये प्रशासन से बात की। आंचल चौकी गेट के पास दुर्गा कालोनी में जलभराव से तीस परिवारों को परेशान होना पड़ा। तिकोनिया चौराहे के पास वर्कशॉप लाइन में सड़क धंसने से खतरा बढ़ गया, इसके बाद विभागीय अधिकारियों ने निरीक्षण करते हुए जेसीबी से मलबा हटवाया और सुरक्षा दीवार बनवाई।

शहर के रकसिया नाले के उफनने से प्रमपुर लोसानी में कई लोगों की कृषि भूमि पर कचरा भर गया। कलसिया नाले के उफनाने से निकट के घरों पर खतरा पैदा हो गया। रेलवे स्टेशन के ट्रैक नम्बर तीन को गौला के कटाव से बचाने के लिए ग्रेविटी वॉल बनाई गई। बरसात से कई जगह सिंचाई नहरें टूटी हैं। रामपुर रोड में छट पूजा स्थल के पास नहर का ऊपरी हिस्सा टूटा है। जयपुर बीसा में जाने वाली नहर ओवरलोड होने से पानी खेतों में भर गया।

लालकुआ शहर में भी जलभराव से आफत मची है। रेल पटरियों सहित खड्डी मोहल्ला, बजरी कम्पनी पूरा इलाका जलमग्न हो गया। रेलवे स्टेशन और घरों में पानी भरने से लोग परेशान हैं। रामनगर के हिम्मत पुर, डोटियाल के बाजार कालोनी में भी जलभराव हुआ। रामनगर रोडवेज परिसर में पानी भर गया है। रामनरग शहर में रोडवेज डिपो में निर्माण कार्य भी धीमी गति चल रहा है। कालाढूंगी नैनीताल मार्ग बरसात में कई बार बाधित हुआ है।

नैनीताल शहर में भूकटाव हुआ है। 96 करोड़ की लागत से सीवर ट्रीटमेंट परियोजना के तहत रूसी में बन रहे प्लान्ट की तलहटी में एक बार फिर से भूकटाव हुआ। नैनीताल-बसानी मार्ग कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त हो गई है।

हल्द्वानी शहर सहित नैनीताल जिले की जलभराव समस्याओं व अन्य पर जिलाधिकारी वन्दना सिंह लगातार मौके पर जाने के अलावा बैठक कर निगरानी कर रही हैं। आयुक्त दीपक रावत ने कैम्प कार्यालय हल्द्वानी में नियमित रूप से बैठक कर विभिन्न विभागों के अधिकारियों को किसी भी तरह की ढिलाई न बरतते हुए आवश्यक निर्देश दिये हैं।

भीमताल हरेला मेला २१ जुलाई तक

भीमताल। रामलीला मैदान मल्लीताल में होने वाला हरेला मेला 16 से 21 जुलाई तक है। हरेला अवसर पर भीमताल का मेला प्रसिद्ध रहा है। मेले को लेकर विकास भवन में बैठक में तैयारी की गई। प्रशासन ने मेला समिति गठित करते हुए निवर्तमान सभासदों, वरिष्ठ नागरिकों से विशेष सहयोग की अपील की। मेले के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के लिये पुलिस तैनात रहेगी।

परिक्रमा

यूएसनगर में ४ स्टेडियम बनेंगे

रुद्रपुर। प्रदेश सरकार ने नौ स्टेडियम निर्माण की स्वीकृति दी है जिसमें से चार उधमसिंह नगर जिले में बनेंगे। बताया गया है कि जसपुर, नगला, खटीमा और किच्छा में स्टेडियम के लिये युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल की ओर से पत्र जारी हो चुका है। इसके अलावा रुड़की, ऋषिकेश, रामनगर, मंगलौर व डोईवाला में स्टेडियम बनने हैं।

बोर्ड परीक्षा के लिये आवेदन शुरू

रामनगर। उत्तराखण्ड बोर्ड की वर्ष 2025 में होने वाली परीक्षा के लिए आवेदन जारी हैं। हाईस्कूल और इण्टरमीडिएट के संस्थागत परीक्षार्थियों के लिए आवेदन की अन्तिम तिथि 31 जुलाई और व्यक्तिगत परीक्षार्थियों के लये 14 अगस्त तय की गई है। व्यक्तिगत छात्र 150 रुपये बिलम्ब शुल्क के साथ 24 अगस्त तक भी आवेदन कर सकते हैं। सचिव शिक्षा परिषद ने उक्त जानकारी दी है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय स्थापना के 47 वर्ष में प्रवेश पर हार्दिक शुभकामनाओं के साथ-

PIONEERS ACADEMY

Garhinegi, Kashipur

(U.S. Nagar)

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

घर से बाहर अपनों का साथ

होटल लक्ष्य इन

मदकोट

सम्पर्क
7351285555
नरेन्द्र सिंह रावत

न तेरा न मेरा Thats

APNA GHAR चौकोड़ी

HOTEL RESTRO BANQUET

मो.- 9458920379, 6396098804

YOGA MEDITATION	LIVE MUSIC	HOMELY FOOD	BIRTHDAY WEDDING

Near by- (माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)

पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

Hotel

Bala Paradise

Tiksain, Munsiari

Ph. 05961222237, 9412951678

Hayat Paradise

Bus Station

Munsiari

Ph. 09411556700, 9997733070

धमोत

होम स्टे

धरमघर/चकोड़ी

(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग, माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)

www.mountainheights.in

मो. 9760007148

माँ नन्दा आयरन एण्ड बिल्डिंग मैटेरियल

भोटिया पड़ाव, हल्द्वानी

(सीमेन्ट, सरिया, टाइल, पेण्ट, सेनेटरी, हार्डवेयर)

गोदाम- जोहार एसोसिएट्स, बच्चीनगर- १, कमलुवागांजा, हल्द्वानी

मो.- 7409440813, 7500619761

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर

नानासेम, मुनस्यारी

गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स

हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स

फोन सम्पर्क- 05961-222236 8958525979, 9411134775

MARTOLIA FURNITURE

A unit of Martolia Enterprises

Pilikothi, Haldwani

Mob- 8057167777, 7906752084, 8650427229

Enjoy Beauty of

Himalaya at

MARTOLIA LODGE

Family Guest House-
Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From Home & Home Stay
Phone: (05961) 222287

पिघलता हिमालय स्थापना के 47 वर्ष में प्रवेश पर हार्दिक शुभकामनाओं के साथ-

डा. के.एस.पांगती

ब्रज अम्बिका विहार

नैनीताल रोड,

हल्द्वानी

श्रीमती मंजू टोलिया

प्लाट नं. 17,

उषा कालोनी

सहस्त्रधारा रोड,

देहरादून

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।

सम्पादक: श्रीमती गीता उप्रेती फोन/मोबाइल 9458961490, 9411770280, 9411301014,

editorpighaltahimalay@gmail.com

Website- www.pighaltahimalay.com

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)